5 खिड़की मेरे कमरे की

लिखिए

1. **कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए—**

जब उदास ''होता मेरा मन''
''डसने लगता'' एकाकीपन
तब ''चुपके से पास'' बुलाती
सुखद दृश्य ''मुझको दिखलाती''

2. **कुछ शब्दों में उत्तर लिखिए—**

क. खिड़की कैसे दृश्य दिखाती है?
उ. खिड़की सुखद दृश्य दिखाती है।

ख. सदा सहेली-सी कौन मुसकाती है?
उ. सदा सहेली-सी खिड़की मुसकाती है।

ग. खिड़की मौसम की पाती कहाँ से लाती है?
उ. खिड़की मौसम की पाती दूर क्षितिज से लाती है।

3. **कुछ वाक्यों में उत्तर लिखिए—**

क. खिड़की रोज़ सुबह क्या करती है?
उ. खिड़की रोज़ सुबह ठंडी हवा के झोंके, नवप्रकाश की किरणें और फूलों की महक लाती है।

ख. कवि ने खिड़की को सहेली क्यों कहा है?
उ. जब कवि उदास होता है तो खिड़की उसे अपने पास बुलाकर बाहर के सुंदर दृश्य दिखाती है, जिससे कवि का मन बहलता है और उदासी दूर हो जाती है। इसलिए कवि ने खिड़की को सहेली कहा है।

ग. खिड़की कवि की थकान कैसे दूर करती है?
उ. खिड़की शुद्ध हवाएँ लाकर कवि की थकान दूर करती है।

घ. 'मौसम की पाती ले आती' — खिड़की के लिए ऐसा क्यों कहा गया है? अपने विचार लिखिए।
उ. हम खिड़की से बाहर की दुनिया देख पाते हैं। खिड़की घर में हवा लाती है। हवा में उपस्थित गरमाहट, ठंडक और नमी को अनुभव करके हमें मौसम की जानकारी मिलती है। इसलिए खिड़की के लिए ऐसा कहा गया है।

समझिए व्याकरण संवोध

1. **इन शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए—**

सौरभ — ''स्'' + ''औ''+''र्'' + ''अ'' + ''भ्'' + ''अ''
मधुरिम — ''म'' + ''अ'' + ''ध्'' + ''उ'' + ''र्'' + ''इ'' + ''म्'' + ''अ''
उदास — ''उ'' + ''द्'' + ''आ'' + ''स्'' + ''अ''
सहेली — ''स्'' + ''अ'' + ''ह्'' + ''ए'' + ''ल्'' + ''ई''

2. **इन शब्दों के लिए कविता में से ही उपयुक्त पर्यायवाची खोजिए और लिखिए—**

कक्ष — ''कमरा''	महक — ''सौरभ''	सखी — ''सहेली''	चिट्ठी — ''पाती''
हवा — ''पवन''	नवीन — ''नूतन''	खुश — ''प्रसन्न''	हमेशा — ''सदा''

3. **इन पंक्तियों में आई क्रियाओं को चुनकर लिखिए—**

क. ठंडे पवन झकोरे लाती ···लाती···

ख. परदे का आँचल लहराती ···लहराती···

ग. मधुरिम रोज़ प्रभाती गाती ···गाती···

घ. तब चुपके से पास बुलाती ···बुलाती···

ङ सुखद दृश्य मुझको दिखलाती ···दिखलाती···

अब इन क्रियाओं का वाक्य में ऐसे प्रयोग कीजिए कि वे एक कविता बन जाएँ—

···खड़-खड़ करके हमें बुलाती···

···ठंडे-ठंडे झोंके लाती···

···सुखद दृश्य हमें दिखलाती···

···खिड़की मुझे बहुत है भाती···

4. **इन संज्ञा शब्दों से वाक्य बनाइए—**

खिड़की — ···मेर कमरे में एक बड़ी खिड़की है।···

उमंग — ···त्योहार हमारे जीवन में उमंग भर देते हैं।···

सहेली — ···मेरी सहेली का नाम मीतू है।···

6 दो बैलों की कथा

लिखिए

1. **सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए—**

   क. गयाप्रसाद के घर से भागने में किसने बैलों की मदद की? — ✓ लड़की ने

   ख. साँड़ ने पहले किसपर वार किया? — ✓ हीरा पर

   ग. हीरा-मोती ने खेत में क्या खाया? — ✓ मटर

2. **मिलान कीजिए—**

गयाप्रसाद	एक किसान और हीरा-मोती का मालिक
झूरी	दो में से एक बैल का नाम
व्यापारी	झूरी की पत्नी का भाई
हीरा	हीरा-मोती को खरीदनेवाला व्यक्ति

3. **पाठ के आधार पर लिखिए कौन, कैसा था—**

   झूरी — "झूरी पशुओं से प्यार करता था। वह बुद्धिमान था।"

   गयाप्रसाद — "गयाप्रसाद कठोर हृदयवाला था। उसे पशुओं से बिल्कुल प्यार नहीं था।"

4. **कुछ शब्दों में उत्तर लिखिए—**

   क. हीरा-मोती को काँजी हाउस किसने भेजा?

   उ. हीरा-मोती को काँजी हाउस मटर के खेत के रखवाले ने भेजा।

   ख. काँजी हाउसवालों ने इमारत को खाली देखकर क्या किया?

   उ. काँजी हाउसवालों ने इमारत को खाली देखकर हीरा और मोती को नीलाम कर दिया।

   ग. हीरा-मोती को किसने खरीदा?

   उ. हीरा-मोती को एक व्यापारी ने खरीदा।

5. **कुछ वाक्यों में उत्तर लिखिए—**

   क. हीरा-मोती झूरी को क्यों चाहते थे?

   उ. झूरी हीरा-मोती के चारे-पानी का बहुत ध्यान रखता था। उन्हें कभी मारता-पीटता नहीं था, इसलिए वे दोनों झूरी को बहुत चाहते थे।

   ख. बैलों ने साँड़ का सामना कैसे किया?

   उ. बैलों ने साँड़ का सामना साहस से किया। जब साँड़ ने हीरा पर सामने से वार किया तो मोती ने उसपर पीछे से सींगों से हमला किया।

   ग. काँजी हाउस में कौन-कौन-से जानवर थे? उनकी दशा क्या थी?

   उ. काँजी हाउस में भैंसे, घोड़े, घोड़ियाँ, बकरियाँ, गधे आदि जानवर थे। वे सब बहुत कमज़ोर और दुबले-पतले थे।

   घ. वह लड़की आई और उसने दोनों बैलों को खोल दिया— इससे लड़की के स्वभाव की कौन-सी विशेषता पता चलती है?

   उ. इससे पता चलता है कि लड़की दयालु, सहृदय और ममतामयी है। उसने बैलों की दुर्दशा देखी इसलिए उन्हें भागने में सहायता की।

समझिए व्याकरण संबोध

1. **विलोम शब्द लिखिए—**

गाँव	×	"शहर"
उत्साह	×	"निरुत्साह"
अपमान	×	"सम्मान"
आज़ाद	×	"गुलाम"
प्रसन्न	×	"अप्रसन्न"
कमज़ोर	×	"मज़बूत"

2. **पाठ से संयुक्त व्यंजन वाले शब्द चुनिए और किन्ही चार से वाक्य बनाइए—**

शब्द — ''प्यार, ध्यान, प्रसन्न, रास्ते, रस्सी, हड्डियाँ, पत्नी''.

वाक्य — (i) ''हीरा-मोती झूरी से बहुत प्यार करते थे।''

(ii) ''झूरी बैलों का ध्यान रखता था।''

(iii) ''हीरा-मोती ने रस्सी तोड़ दी।''

(iv) ''झूरी की पत्नी ने बैलों को चूमा।''

3. **दिए गए शब्दों को योजक-चिह्न लगाकर लिखिए—**

हीरा और मोती — ''हीरा-मोती''

रूखा और सूखा — ''रूखा-सूखा''

एड़ी और चोटी — ''एड़ी-चोटी''

आकाश और पाताल — ''आकाश-पाताल''

4. **कि/की चुनते हुए मिलान कीजिए और वाक्य बनाइए—**

वे दोनों पछताए	कि	पत्नी ने दोनों बैलों के माथे चूम लिए।
हीरा-मोती	की	हड्डियाँ निकल आई थीं।
झूरी		यहाँ कहाँ आ फँसे!
मोती ने कहा		दीवार तोड़ दी जाए।

5. **उचित विशेषण शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए—**

छोटी-सी, रूखा-सूखा, मोटे-मोटे, ऊँची

क. झूरी की पत्नी ने हीरा-मोती के सामने ''रूखा-सूखा'' भूसा डाल दिया।

ख. गयाप्रसाद बैलों को ''मोटे-मोटे'' रस्सों से बाँधता था।

ग. गया के घर में एक ''छोटी-सी'' लड़की रहती थी।

घ. नीलामी में सबसे ''ऊँची'' बोली एक व्यापारी ने लगाई।